# भारत जी7 अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकल जाएगा : रिपोर्ट

**सरकार का पूंजीगत व्यय 17.4 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद**

**'चाइना+1' रणनीति में भारत बना निवेश का आकर्षण केंद**

**नई दिल्ली, 23 जून. एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत आगामी वर्षों में जी7 देशों की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ने के लिए तैयार है. धन प्रबंधन फर्म इक्विरस द्वारा जारी इस रिपोर्ट में भारत की संरचनात्मक आर्थिक ताकत पर जोर दिया गया है और कहा गया है कि वैश्विक पूंजी अब भारत के बदलते आर्थिक परिदृश्य को नजरअंदाज नहीं कर सकती.**

इक्विरस के मुताबिक, भारत की वृद्धि मजबूत मैक्रोइकॉनॉमिक फंडामेंटल, सरकार के नेतृत्व वाले पूंजीगत व्यय, ग्रामीण खपत में पुनरुत्थान और विनिर्माण में संरचनात्मक बदलाव से संचालित हो रही है. रिपोर्ट में कहा गया है कि ये कारक भारत को वैश्विक अनिश्चित आर्थिक माहौल के बीच अनुकूल स्थिति में रख रहे हैं.

इक्विरस क्रेडेंस फैमिली ऑफिस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मितेश शाह ने कहा कि भारत अब केवल कागजों पर सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था नहीं है, बल्कि संरचनात्मक रूप से अधिकांश जी7 देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में है. उन्होंने इसे वैश्विक आर्थिक गतिशीलता में एक भूकंपीय बदलाव बताया.

**जीडीपी वृद्धि में भारत का बढ़ता योगदान**

वैश्विक जीडीपी वृद्धि में भारत का बढ़ता योगदान, जो अब जापान और जर्मनी से काफी अधिक है, भारत के बढ़ते वैश्विक आर्थिक कद का प्रमाण है. रिपोर्ट वैश्विक स्तर पर व्यापक बदलावों पर भी प्रकाश डालती है जो भारत के उदय का समर्थन करते हैं, जिसमें डॉलर इंडेक्स में 2025 के शिखर से लगभग 6 प्रतिशत की गिरावट और कच्चे तेल की कीमतों का 70 डॉलर प्रति बैरल के करीब स्थिर रहना शामिल है, ये दोनों ही भारत के आयात बोझ को कम करने में मदद करते हैं.

वैश्विक मैक्रो रुझानों में बदलाव पर प्रकाश डालते हुए, शाह ने बताया कि भारत के 2025 और 2030 के बीच वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान करने की उम्मीद है, जबकि पारंपरिक वैश्विक निवेश रणनीतियाँ अब लड़खड़ाने लगी हैं.

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत कैसे महत्वपूर्ण संरचनात्मक रुझानों से लाभान्वित हो रहा है. इनमें ग्रामीण मांग में उल्लेखनीय वृद्धि शामिल है, जहाँ ग्रामीण क्षेत्रों में एफएमसीजी खपत 6 प्रतिशत बढ़ी, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 2.8 प्रतिशत थी. इसके अतिरिक्त, सरकार के नेतृत्व वाला पूंजीगत व्यय 17.4 प्रतिशत बढ़ने वाला है, साथ ही 2.5 लाख करोड़ रुपये की तरलता का संचार भी वर्तमान में चल रहा है.

# ईरान पर अमेरिकी हमले से बाजार ढेर

**511** अंक गिरा सेंसेक्स

**140** अंक पर टूटा निफ्टी

**मुंबई, 23 जून (वार्ता) ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के बाद ईरान की संभावित जवाबी कार्रवाई को लेकर सहमे निवेशकों की स्थानीय स्तर पर आईटी, ऑटो, टेक और फोकस्ड आईटी समेत बारह समूहों में हुई भारी बिकवाली से आज शेयर बाजार लुढ़क गया.**

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 511.38 अंक अर्थात 0.62 प्रतिशत का गोता लगाकर 81896.79 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 140.50 अंक यानी 0.56 प्रतिशत की गिरावट लेकर 24971.90 अंक पर बंद हुआ. हालांकि बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली हुई. इससे मिडकैप 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 45,571.69 अंक और स्मॉलकैप 0.57 प्रतिशत की तेजी लेकर 52,678.74 अंक पर पहुंच गया.

इस दौरान बीएसई में कुल 4240 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2204 में लिवाली जबकि 1854 में बिकवाली हुई वहीं 182 में कोई बदलाव नहीं हुआ. इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 2995 कंपनियों के शेयरों में से 1545 में गिरावट जबकि 1364 में तेजी रही वहीं 86 में टिकाव रहा. बीएसई के 12 समूहों में गिरवट का रुख रहा. इससे सीडी 0.03, एफएमसीजी 0.62, वित्तीय सेवाएं 0.15, हेल्थकेयर 0.10, आईटी 1.46, टेक 1.10 और फोकस्ड आईटी के शेयर 1.48 प्रतिशत गिर गए.

# भारत का निर्यात तनाव में भी स्थिर : एफआईईओ अध्यक्ष

**खाड़ी क्षेत्र में दिखे अल्पकालिक प्रभाव**

**एमएसएमई और सरकार मिलकर सजग**

**नयी दिल्ली, 23 जून. वैश्विक व्यापार में जारी भू-राजनीतिक तनाव, विशेष रूप से मध्य पूर्व में ईरान-इज़राइल संघर्ष के बावजूद, भारत का निर्यात क्षेत्र लचीला और अनुकूलनीय बना हुआ है. फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष एस.सी. रल्हन ने आज यह बात कही.**

रल्हन ने बताया, ईरान और इज़राइल के साथ हमारा व्यापार, हालांकि महत्वपूर्ण है, हमारे कुल निर्यात-आयात का एक छोटा हिस्सा है. सरकार और उद्योग मिलकर विकास की निगरानी कर रहे हैं ताकि न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित किया जा सके.एफआईईओ का अनुमान है कि मांग और रसद पर कुछ अल्पकालिक प्रभाव पड़ सकता है, खासकर खाड़ी क्षेत्र में, जो भारतीय निर्यात के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करता है. उन्होंने कहा, बढ़ी हुई शिपिंग लागत, लंबा पारगमन समय और बढ़ते समुद्री बीमा प्रीमियम दबाव बढ़ा सकते हैं, खासकर मूल्य-संवेदनशील क्षेत्रों में.

हालांकि, रल्हन ने कहा कि भारतीय निर्यातकों ने बार-बार शिपमेंट को फिर से रूट करने, बाजारों में विविधता लाने और वित्तीय जोखिमों का प्रबंधन करने में चपलता का प्रदर्शन किया है.

> एफआईईओ अध्यक्ष ने निष्कर्ष निकाला, कुल मिलाकर, जबकि अस्थायी बाधाएं हैं, हम इसे भारतीय निर्यातकों के लिए वैकल्पिक मार्गों का पता लगाने, क्षेत्रीय साझेदारियों को मजबूत करने और अनिश्चित समय में भारत की एक विश्वसनीय व्यापार भागीदार के रूप में भूमिका को मजबूत करने के अवसर के रूप में देखते हैं. एफआईईओ निर्यातकों को समय पर मार्गदर्शन, बाजार खुफिया और नीतिगत वकालत के साथ समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वैश्विक व्यापार यात्रा में निरंतर गति सुनिश्चित की जा सके.

## जेंटारी ने महाराष्ट्र में 150 मेगावाट का सौर संयंत्र किया चालू

**नयी दिल्ली, 23 जून.** स्वच्छ ऊर्जा समाधान कंपनी जेंटारी ने महाराष्ट्र के वर्धा में 150 मेगावाट का 'ओपन-एक्सेस' सौर संयंत्र चालू करने की सोमवार को घोषणा की.बयान में कहा गया कि यह परियोजना राज्य में वाणिज्यिक एवं औद्योगिक (सीएंडआई) उपभोक्ताओं के लिए अपनी तरह की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक है. इससे सालाना 24.8 करोड़ यूनिट (किलोवाट घंटा) हरित बिजली उत्पन्न होने की उम्मीद है.यह संयंत्र राज्य भर के उद्योगों को ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों का उपयोग करने में सक्षम बनाएगा. इससे प्रत्येक वर्ष संभावित रूप से 238,576 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी.

# वीएफएस-रायड साझेदारी से प्रवासन सेवाएं आसान

**वीएफएस ग्लोबल और रायड ग्रुप ने की रणनीतिक साझेदारी**

**नई दिल्ली, मुंबई समेत छह शहरों में मिलेंगी सेवाएं**

**नई दिल्ली, 23 जून वैश्विक तकनीकी सेवा प्रदाता वीएफएस ग्लोबल की व्यावसायिक इकाई वीएफएस ईटीएम (शिक्षा, व्यापार और प्रवासन) सेवा प्रभाग ने भारत में इमिग्रेशन परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए रायड ग्रुप के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है.**

इस सहयोग का उद्देश्य भारत के निवासियों को नई दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, चेन्नई, हैदराबाद और पुणे स्थित वीएफएस ग्लोबल केंद्रों पर व्यापक प्रवासन परामर्श सेवाएं सुलभ कराना है.

इस साझेदारी के तहत, वीएफएस ईटीएम और रायड ग्रुप एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना करेंगे. यह केंद्र अत्याधुनिक जेनरेटिव एआई तकनीक और अग्रणी कानूनी विशेषज्ञता का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाली प्रवासन परामर्श सेवाएं प्रदान करेगा, जिससे लोग जटिल प्रवासन प्रक्रियाओं को समझ सकें और बदलते इमिग्रेशन नियमों का अनुपालन कर सकें.

वैश्विक प्रवासन ढांचे के लगातार जटिल होने और नियामक मानकों में वृद्धि के साथ, यह साझेदारी भारतीय निवासियों को अनुभवी प्रवासन, कर और कानूनी विशेषज्ञों के एक विस्तृत नेटवर्क तक पहुंच प्रदान करेगी. ये विशेषज्ञ विभिन्न प्रवासन आवश्यकताओं के लिए उपयुक्त समाधान प्रदान करने में सक्षम होंगे.

> रायड ग्रुप के प्रबंध निदेशक रायड कमाल अयूब ने इस साझेदारी के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया, विशेष रूप से अमेरिकी ग्रीन कार्ड धारकों के लिए बदलती परिस्थितियों के संदर्भ में. उन्होंने हाल ही में घोषित गोल्ड कार्ड पहल का उल्लेख किया, जिसने अत्यधिक धनाढ्य व्यक्तियों के बीच विशेष रुचि पैदा की है. अमेरिकी वाणिज्य विभाग के अनुसार, यह कार्यक्रम पात्र प्रतिभागियों के लिए वैश्विक आय पर आयकर से छूट प्रदान कर सकता है.

वीएफएस ईटीएम प्रवासन सेवाओं का एक व्यापक सेट प्रदान करता है, जिसमें कौशल मूल्यांकन, डायनेमिक डिजिटल सत्यापन (डीडीवी), और रोजगार व निवेश-आधारित प्रवासन के लिए सुलभ मार्ग शामिल हैं. ये समाधान सार्वजनिक संस्थाओं के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अनुकूलित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जबकि राष्ट्रीय मानकों को भी बनाए रखते हैं. 1994 में स्थापित, रायड ग्रुप को प्रवासन और कानूनी परामर्श में एक वैश्विक अग्रणी के रूप में मान्यता प्राप्त है, जिसका अमेरिका और दुनिया भर के 45 देशों में सहयोगी वकीलों का एक व्यापक नेटवर्क है. यह समूह 25 नागरिकता निवेश कार्यक्रमों से जुड़ा है और स्थायी निवास (पीआर) तथा गोल्डन वीजा, जिनमें नामांकन द्वारा यूएई गोल्डन वीजा भी शामिल है, तक पहुंचने का मार्ग प्रदान करता है. रायड ग्रुप अमेरिका के ईबी-5 वीजा कार्यक्रमों और ग्रीन कार्ड अनुपालन में भी अपनी मजबूत विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है.

वीएफएस ग्लोबल एक विश्वसनीय तकनीकी सेवाओं में वैश्विक अग्रणी है, जो सरकारों नागरिकों को सुरक्षित गतिशीलता प्रदान करने में सक्षम बनाती है. 69 क्लाइंट सरकारों की विश्वसनीय भागीदार के रूप में, वीएफएस ग्लोबल 158 देशों में 3,800 से अधिक एप्लिकेशन केंद्रों का संचालन करती है और 2001 से अब तक 461 मिलियन से अधिक आवेदनों को सफलतापूर्वक संसाधित कर चुकी है.

## अडानी का ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट शुरू

### कच्छ में स्थापित 5 मेगावाट ऑफ-ग्रिड सौर संचालित

**अहमदाबाद, 23 जून. अडानी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने गुजरात के कच्छ में भारत का पहला ऑफ-ग्रिड 5 मेगावाट ग्रीन हाइड्रोजन पायलट प्लांट सफलतापूर्वक चालू करने की घोषणा की.**

यह संयंत्र पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित है और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के साथ एकीकृत है, जिससे यह पूरी तरह से ऑफ-ग्रिड काम कर सकता है. यह विकेन्द्रीकृत, नवीकरणीय-संचालित हाइड्रोजन उत्पादन में एक नया प्रतिमान प्रस्तुत करता है.

एएनआईएल का यह पायलट प्लांट भारत की पहली ऑफ-ग्रिड 5 मेगावाट की ग्रीन हाइड्रोजन सुविधा है, जिसमें पूरी तरह से स्वचालित, क्लोज्ड-लूप इलेक्ट्रोलाइजर सिस्टम है. इसे वास्तविक समय में नवीकरणीय ऊर्जा इनपुट पर गतिशील रूप से प्रतिक्रिया देने के लिए डिज़ाइन किया गया है. यह परिचालन लचीलापन प्रदान करता है, खासकर सौर ऊर्जा की परिवर्तनशीलता को संबोधित करने में, जबकि दक्षता, सुरक्षा और प्रदर्शन सुनिश्चित करता है.

# आरईसी को सीएसआर में बड़ी उपलब्धि

**हैदराबाद,23 जून.आरईसी लिमिटेड को 'हेल्थकेयर को सहायता प्रदान करने में उत्कृष्टता' के लिए एसोचैम सीएसआर और सस्टेनेबिलिटी अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है.**

**आरईसी फाउंडेशन की स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय भूमिका**

**तेलंगाना डिप्टी सीएम ने प्रदान किया प्रतिष्ठित पुरस्कार**

यह पुरस्कार हैदराबाद में आयोजित एसोचैम सीएसआर और सस्टेनेबिलिटी कॉन्फ्रेंस और अवार्ड्स के 6वें संस्करण के दौरान प्रदान किया गया. अंजन लाहिड़ी, वरिष्ठ जीएम और विभागाध्यक्ष ने तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क से आरईसी की ओर से यह पुरस्कार स्वीकार किया.

यह पुरस्कार आरईसी की अपनी समर्पित सीएसआर शाखा, आरईसी फाउंडेशन द्वारा संचालित प्रभावशाली सीएसआर पहलों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है. पिछले साल भी आरईसी को दिव्यांगजनों के लिए पहल पर विशेष ध्यान देने के साथ आकांक्षी जिलों में उत्कृष्ट सीएसआर योगदान के लिए एसोचैम द्वारा सम्मानित किया गया था. सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा प्रकाशित सार्वजनिक उद्यम सर्वेक्षण रिपोर्ट 2023-24 के अनुसार, आरईसी को भारत में सभी सीपीएसयू के बीच सीएसआर योगदान के लिए चौथा स्थान दिया गया है.

**समाचार विशेष**

# कुछ बड़ा करने वाले हैं शशि थरूर?

### सही मौके का कर रहे हैं इंतजार, निशाने पर है कांग्रेस का बड़ा नेता

**तिरुवनंतपुरम. केरल के तिरुवनंतपुरम लोकसभा से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पार्टी के अंदर मतभेद की बात स्वीकार की है. उन्होंने कहा कि वो इसको लेकर पार्टी के अंदर बातचीत करेंगे. इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ बातचीत पर कहा है कि वो चर्चा केवल सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से जुड़े मामलों पर थी. उन्होंने आगे कहा कि देश की सेवा के लिए वे हमेशा तैयार हैं.**

**निशाने पर बड़ा नेता**- कांग्रेस सांसद शशि थरूर के कांग्रेस को लेकर दिए बयान ने सियासी हलचल पैदा कर दी.

**क्या बोले थरूर?**

तिरुवनंतपुरम में मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि मैं पिछले 16 सालों से कांग्रेस में काम कर रहा हूं. पार्टी के साथ मेरे कुछ मतभेद हैं, और मैं पार्टी के अंदर इस पर चर्चा करूंगा, आज मैं इस पर बात नहीं करना चाहता. मुझे मिलकर बात करनी है, समय आने दीजिए, फिर मैं इस पर चर्चा करूंगा. शशि थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ चर्चा को लेकर कहा कि, प्रधानमंत्री के साथ चर्चा केवल सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से जुड़े मामलों पर थी. जब देश के लिए कोई मामला उठता है, तो देश के साथ खड़े होना हमारी जिम्मेदारी है. जब देश को मेरी सेवा की जरूरत होगी, तब मैं हमेशा तैयार हूं.

शशि थरूर ने पहली बार यह बात मानी है कि पार्टी नेतृत्व के कुछ नेताओं के साथ उनके मतभेद हैं. हालांकि इस दौरान वो किस बड़े नेता की बात कर रहे थे यह साफ नहीं है लेकिन उनके बयान की राजनीतिक गलियारे में चर्चा तेज हो गई है. थरूर ने कहा कांग्रेस, उसके सिद्धांत और कार्यकर्ता उनको बहुत प्रिय हैं.

शशि थरूर को लेकर पहले से कयास लगाए जा रहे हैं कि वो पार्टी बदल सकते है, लेकिन थरूर की ओर से अभी तक इस पर कोई बयान नहीं आया है. अगर शशि थरूर भाजपा में शामिल होते हैं तो बीजेपी को बड़ा फायदा होगा.

# उद्धव को तालमेल से रोकने की कोशिश

**मुंबई. महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहे हैं वैसे वैसे राजनीतिक ध्रुवीकरण तेज हो रहा है. यह साफ दिख रहा है कि उद्धव ठाकरे अपने चचेरे भाई राज ठाकरे से तालमेल करना चाहते हैं. तालमेल की शर्तें क्या होंगी इस पर चर्चा चल रही है. हालांकि ऐसा नहीं है कि राज ठाकरे की पार्टी बहुत बड़ी या लोकप्रिय है.**

संसद या विधानमंडल या महानगरपालिका कहीं भी उनका एक भी सदस्य नहीं है. फिर भी उद्धव को लग रहा है कि ठाकरे परिवार के एक होने से मुंबई की जनता में एक मैसेज जाएगा और परिवार वापस मुंबई पर अपना कब्जा बरकरार रखने में कामयाब होगा. पार्टी टूटने के बाद मतदाताओं की धारणा को प्रभावित करने के लिए उद्धव को ऐसे किसी तालमेल की जरुरत है.

लेकिन ऐसा लग रहा है कि भाजपा और उसके सहयोगी सक्रिय हो गए हैं कि किसी तरह से राज ठाकरे को उद्धव के साथ जाने से रोका जाए.

> ध्यान रहे बीएमसी का चुनाव उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी को संजीवनी दे सकता है. शिव सेना की असली ताकत उसके सांसद या विधायक नहीं, बल्कि मुंबई के पार्षद होते हैं. इसलिए उद्धव ने ठाकरे परिवार की एकता को मराठी एकता का नाम दिया है और भाजपा पर आरोप लगाया है कि वह मराठी एकता नहीं बनने दे रही है. उद्धव ठाकरे की राजनीति पर दोनों सहयोगी पार्टियों कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी की भी नजर है.

# मेरी खामोशी को मेरी कमजोरी समझने की भूल न करना

### तेज प्रताप ने क्यों कहा पार्टी या परिवार नहीं सुप्रीम कोर्ट करेगा फैसला?

**पटना. 12 साल पुराने कथित प्रेम संबंध के कारण पार्टी और परिवार से बेदखल हो चुके तेज प्रताप यादव सोशल मीडिया के जरीए अपनी बातों को रख रहे हैं. पिछले दिनों तेज प्रताप ने लालू फैमिली में मौजूद किसी जयचंद का जिक्र किया था.**

अब उन्होंने कहा है कि उनकी खामोशी को कमजोरी समझने की भूल करने वालों को जल्द ही जवाब मिलने वाला है. तेज प्रताप यादव ने एक्स पर अपनी तस्वीर के साथ पोस्ट लिखा है. तस्वीर में वह आरजेडी की टोपी पहने हुए हैं और सामने लगी अपने पिता लालू प्रसाद की तस्वीर को बड़े ही गौर से निहार रहे हैं. उन्होंने लिखा, मेरी खामोशी को मेरी कमजोरी समझने की भूल करने वालो, ये मत समझना कि मुझे तुम्हारी साजिशों का पता नही, शुरुआत तुमने किया है अंत मैं करूंगा, झूठ और फरेब के बनाये इस चक्रव्यूह को तोड़ने जा रहा हूं, तैयार रहना सच सामने आने वाला है, मेरी भूमिका मेरी प्यारी जनता और माननीय सर्वोच्च न्यायालय तय करेगा ,कोई दल या परिवार नहीं.

तेज प्रताप यादव के पोस्ट के बाद इसके राजनीतिक मतलब निकाले जा रहे हैं. सियासी गलियारे में एक बार फिर से कयासों का बाजार गर्म हो गया है. ऐसा भी कहा जा रहा है कि पार्टी और परिवार में अपने हक के लिए तेज प्रताप यादव जनता के बीच तो जाएंगे ही सुप्रीम कोर्ट तक का रूख कर सकते हैं हालांकि ये सिर्फ कयास हैं. तेज प्रताप इशारों में किसके ऊपर हमला बोल रहे हैं, यह तो वही जानें लेकिन उनके इस पोस्ट से तो साफ हो गया है कि लालू फैमिली में कोई न कोई ऐसा शख्स मौजूद है जो तेजप्रताप यादव के निशाने पर है. अब आने वाले समय में तेजप्रताप क्या खुलासा करते हैं, सभी की इस पर नजर है.

**विशेष** | **शाह-राहुल की जुबानी जंग ने बढ़ाया सियासी पारा**

# 'शर्म' बनाम 'शक्ति' की जंग! हिंदी के बाद अंग्रेजी पर मचा बवाल

**नई दिल्ली. भाषा विवाद को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पलटवार किया है. राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नहीं चाहते कि गरीब के बच्चे अंग्रेजी सीखे. राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है. अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है. अंग्रेजी जंजीर नहीं - जंजीरें तोड़ने का औजार है.**

कांग्रेस नेता ने आगे लिखा, भाजपा-आरएसएस नहीं चाहते कि गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे. वो नहीं चाहते हैं कि वह पढ़-लिखकर सवाल पूछें, आगे बढ़ें तथा बराबरी करें. राहुल गांधी ने कहा कि आज के समय में अंग्रेजी उतनी ही जरूरी है जितनी आपकी मातृ भाषा. क्योंकि यही रोजगार दिलाएगी और आत्मविश्वास भी बढ़ाएगी.

**एक्स पर राहुल गांधी का पोस्ट**- राहुल गांधी ने कहा कि भारत की हर भाषा में आत्मा है, संस्कृति है, ज्ञान है. हमें इन्हें संजोना है, साथ ही हर बच्चे को अंग्रेजी भी सिखानी है. यही रास्ता है एक ऐसे भारत का, जो दुनिया से मुकाबला करे और हर बच्चे को बराबरी का मौका दे. राहुल गांधी ने पोस्ट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया. जिसमें वो बता रहे हैं कि अंग्रेजी एक हथियार है. आप यदि अंग्रेजी सीख जाते हैं तो कहीं भी घुस सकते हैं. अंग्रेजी आप सीख जाते हैं तो आप अमेरिका, जापान और कहीं और भी जा सकते हैं. आप कहीं पर भी काम कर सकते हैं.

**क्या कहा था अमित शाह ने?**

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि जल्द ही भारत में ऐसा वक्त आएगा जब अंग्रेजी बोलने वाले खुद में शर्मिंदगी महसूस करेंगे. ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं है. उन्होंने कहा था कि किसी विदेशी भाषा में आप अपनी संस्कृति, धर्म तथा इतिहास को नहीं समझ सकते. हमारे देश की भाषाएं हमारी गहना है और 2047 में भारत का दुनिया में शीर्ष पर रहने के लिए हमारी भाषाओं का अहम योगदान होगा.